करेंट अफेयर्स

मध्य प्रदेश

(संग्रह)

जुलाई 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- सरकार ने दाल वितरण अभियान शुरू किया 3
- नर्मदा नदी के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ की स्थिति 4
- लाडली बहना योजना के तहत सहायता राशि बढ़ाई 7
- उज्जैन में आकाशवाणी केंद्र 8
- कृषि और ग्रामीण विकास के लिये मध्य प्रदेश सरकार के प्रमुख सुधार 9
- कुनो राष्ट्रीय उद्यान 11
- भोपाल में प्रधानमंत्री रोज़गार मेला आयोजित 13
- स्माइल-बी पर राष्ट्रीय कार्यशाला 14
- एक जिला एक उत्पाद योजना 15
- इंदौर स्वच्छ रैंकिंग में शीर्ष पर 17
- भोपाल की झीलों का जल पीने योग्य नहीं 19
- उन्नत ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना पर राष्ट्रीय कार्यशाला 20
- मध्य प्रदेश पुष्प उत्पादन में तीसरे स्थान पर 22
- आदि कर्मयोगी की दूसरी क्षेत्रीय प्रक्रिया प्रयोगशाला (RPL) का शुभारंभ 24
- मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा विकास परियोजनाओं को मंजूरी 25
- पेसा अधिनियम 26
- चंद्रशेखर आज़ाद जयंती 29
- FISU में राष्ट्रीय पोल वॉल्ट रिकॉर्ड 30

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

मध्य प्रदेश

सरकार ने दाल वितरण अभियान शुरू किया

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार ने **अरहर** और **उड़द** दालों की खेती को बढ़ावा देने के लिये **मध्य प्रदेश** सहित **सात राज्यों** में **बीज वितरण अभियान** शुरू किया है।

- इसका उद्देश्य **आयात पर देश की बढ़ती निर्भरता** को कम करना तथा **घरेलू उत्पादन** के माध्यम से **मूल्य स्थिरता** सुनिश्चित करना है।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - **उद्देश्य: अरहर और उड़द** दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना।
  - **कार्यान्वयन एजेंसी**: उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत उपभोक्ता मामले विभाग।
  - **कार्यान्वयन साझेदार**: भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (NCCF)।
  - **कवरेज: सात राज्यों** - उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, कर्नाटक, मणिपुर और त्रिपुरा के चुनिंदा ज़िलों में बीज वितरण।
  - **चयन मानदंड:** जिलों का चयन दो मुख्य मानदंडों के आधार पर किया गया है:
    - ये **क्षेत्र वर्षा पर निर्भर हैं**, जिससे ये दालों की खेती के लिये उपयुक्त हैं।
    - इनमें **नीति आयोग** द्वारा चिह्नित **आकांक्षी ब्लॉक** भी शामिल हैं।
- **वित्तीय एवं नीतिगत सहायता:**
  - सात राज्यों के चयनित ज़िलों में बीज वितरण पर 1 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे।
  - यदि **बाज़ार मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** से नीचे चला जाता है, तो सरकार **अरहर** और **उड़द** की **100% खरीद MSP** पर सुनिश्चित करेगी।
- **खरीफ विपणन सीजन 2025-26** के लिये MSP:
  - **अरहर (तुअर)**: 8,000 रुपए प्रति क्विंटल
  - **उड़द**: 7,800 रुपए प्रति क्विंटल
- **हाल ही में आयात:**
  - भारत विभिन्न देशों से लगभग **एक दर्जन प्रकार की दालें** आयात करता है।
  - **वर्ष 2023-24** में **दालों का आयात** बढ़कर **47.38 लाख टन** के **रिकॉर्ड उच्च स्तर** पर पहुँच गया, जो **वर्ष 2022-23** में आयातित **24.96 लाख टन** से लगभग **दोगुना** है।
  - **आयात में वृद्धि** से **दालों की घरेलू आपूर्ति** और **मूल्य स्थिरता** पर **दबाव** बढ़ गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (ABP)

- यह **नीति आयोग** के नेतृत्व में एक **विकास पहल** है, जिसका उद्देश्य **विभिन्न विकास मापदंडों** पर **पिछड़ रहे क्षेत्रों** के प्रदर्शन में सुधार लाना है।
- इसकी घोषणा केंद्रीय बजट 2022-23 में की गई थी।
- प्रारंभिक चरण में यह कार्यक्रम **31 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** के **500 ब्लॉकों** को कवर करेगा, जिनमें से **आधे से अधिक ब्लॉक** छह राज्यों- **उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, ओडिशा** और **पश्चिम बंगाल** में स्थित होंगे।
- **ABP** के तहत **मध्य प्रदेश** से कुल **42 ब्लॉकों** का चयन किया गया है।

नर्मदा नदी के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ की स्थिति

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश में भारी वर्षा के कारण नर्मदा नदी उफान पर है, जिससे कई ज़िलों, विशेष रूप से शहडोल में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

- बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जबलपुर स्थित बरगी बाँध के गेट खोलने पड़े, जिससे आगे बाढ़ आने की चिंता बढ़ गई है।

मुख्य बिंदु

- **नर्मदा नदी के बारे में:**
  - **नर्मदा** मध्य भारत में पश्चिम दिशा में बहने वाली एक प्रमुख नदी है, जो **मध्य प्रदेश**, **गुजरात** तथा **महाराष्ट्र** राज्यों से होकर प्रवाहित होती है।
  - यह नदी **41 सहायक नदियों** से पोषित होती है तथा ऐतिहासिक रूप से अरब सागर और **गंगा घाटी** के बीच व्यापारिक तथा सांस्कृतिक मार्ग के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है।
- **नदी का उद्गम और मार्ग:**
  - **नर्मदा नदी** का उद्गम **पूर्वी मध्य प्रदेश** में **छत्तीसगढ़** की सीमा के निकट स्थित मैकल पर्वतमाला से होता है, जो समुद्र तल से लगभग **3,500 फीट (1,080 मीटर)** की ऊँचाई पर स्थित है।
  - यह नदी **मंडला**, **जबलपुर** तथा **मार्बल रॉक्स गॉर्ज** से होकर बहती हुई विंध्य और सतपुड़ा **पर्वतमालाओं** के बीच स्थित भ्रंश घाटी में प्रवेश करती है।
  - इसके पश्चात यह नदी **गुजरात** में प्रवेश करती है और **21 किमी (13 मील)** चौड़े मुहाने से होकर खंभात की खाड़ी में गिरती है।
  - **नर्मदा** सतपुड़ा पर्वतमाला की उत्तरी ढलानों से प्रवाहित होती है तथा **जबलपुर** के निकट स्थित धुआँधार जलप्रपात सहित विभिन्न भूभागों से होकर बहती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **जल संसाधन विकास:**
  - **नर्मदा नदी** कई राज्यों में **जलविद्युत उत्पादन**, **सिंचाई** तथा **पेयजल आपूर्ति** के लिये अत्यंत **महत्त्वपूर्ण** है।
  - इस नदी पर निर्मित प्रमुख बाँधों में **सरदार सरोवर बाँध** (**गुजरात**), **इंदिरा सागर बाँध** (**पुनासा, मध्य प्रदेश**), **ओंकारेश्वर बाँध**, **बरगी बाँध** तथा **महेश्वर बाँध** शामिल हैं।
- **नर्मदा जल विवाद:**
  - **1960 के दशक** से नर्मदा नदी के **जल बँटवारे** तथा **बाँध निर्माण** को लेकर कई राज्यों के बीच विवाद चला आ रहा है।
  - **वर्ष 1969** में इन विवादों के समाधान हेतु एक **न्यायाधिकरण** की स्थापना की गई। वर्ष **1980** में गठित **नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण (NCA)**, जिसमें **मध्य प्रदेश**, **गुजरात**, **महाराष्ट्र**, **राजस्थान** तथा **केंद्र सरकार** के प्रतिनिधि शामिल हैं, न्यायाधिकरण के निर्णयों को लागू करने का कार्य करता है।
- **नर्मदा बचाओ आंदोलन (NBA):**
  - **सरदार सरोवर बाँध** को बड़े पैमाने पर **विस्थापन** के कारण तीव्र विरोध का सामना करना पड़ा।
  - **मेधा पाटकर** और **बाबा आमटे** के नेतृत्व में **NBA** ने प्रभावित समुदायों के लिये **उचित पुनर्वास** की माँग की।
  - उनके सतत् प्रयासों के चलते परियोजना में विलंब हुआ, वर्ष **1993** में **विश्व बैंक** ने इस परियोजना से अपना समर्थन वापस ले लिया तथा **सर्वोच्च न्यायालय** को हस्तक्षेप करना पड़ा।
  - **वर्ष 2000** में न्यायालय ने **विस्थापित आबादी के पुनर्वास** की शर्त पर बाँध निर्माण को **चरणबद्ध तरीके** से पूरा करने की अनुमति प्रदान की।
- **भारत में बाढ़ के कारण:**

बाढ़ का कारण	विवरण
भारी एवं अनियमित वर्षा	**जून से सितंबर** के बीच अत्यधिक **मानसून वर्षा** अक्सर मिट्टी की अवशोषण क्षमता को पार कर जाती है और **जल निकासी तंत्र** को बाधित कर देती है।
ग्लेशियरों का पिघलना	बढ़ते तापमान के कारण **हिमालय** में **हिमनदों** और **हिमपात** के पिघलने की गति तीव्र हो जाती है, जिससे **नदियों में नीचे की ओर जलप्रवाह** बढ़ जाता है।
चक्रवात और तटीय तूफान	भीषण **चक्रवात** भारी वर्षा, **तूफानी लहरों** और तेज़ हवाओं के साथ तटीय तथा आसपास के आंतरिक क्षेत्रों में **बाढ़** का कारण बनते हैं।
नदी का अतिप्रवाह	**ऊपरी क्षेत्रों** में वर्षा या **निचले क्षेत्रों** में जल निकासी क्षमता में कमी के कारण नदियाँ अपने किनारों से बाहर बहने लगती हैं।
अनियोजित शहरीकरण	शहरों और **झुग्गी बस्तियों** के अनियोजित विस्तार से **प्राकृतिक जल निकासी प्रणाली** बाधित होती है, जिससे **शहरी बाढ़** की आशंका बढ़ती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बाँधों और बैराजों का खराब प्रबंधन	भारी वर्षा के दौरान **बाँधों से अनुचित ढंग से जल छोड़ने** या **आपातकालीन जल प्रवाह** की कमी से निचले क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो सकती है।
जलवायु परिवर्तन का प्रभाव	ग्लोबल वार्मिंग के कारण अनियमित और अधिक तीव्र वर्षा हो रही है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है।
अपर्याप्त जल निकासी अवसंरचना	खराब रखरखाव या अवरुद्ध नालियों के कारण, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में, बारिश के समय **गंभीर जलभराव** की स्थिति उत्पन्न होती है।

- **भारत में बाढ़ प्रबंधन के समाधान:**
  - **नदी इंटरलिंकिंग (ILR) कार्यक्रम:**
    - ILR कार्यक्रम का उद्देश्य बाढ़-प्रवण नदियों से अतिरिक्त पानी को पानी की कमी वाले क्षेत्रों में स्थानांतरित करना है, ताकि पानी की उपलब्धता संतुलित हो सके।
    - **उदाहरण:** केन-बेतवा लिंक परियोजना, एक प्रमुख पहल, बुंदेलखंड क्षेत्र में जल सुरक्षा और सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिये महत्त्वपूर्ण है।
- **जलाशय निर्माण:**
  - जलाशय भारी वर्षा के दौरान अतिरिक्त जल को संगृहीत करते हैं तथा नीचे की ओर बाढ़ की तीव्रता को नियंत्रित करने के लिये इसे धीरे-धीरे छोड़ते हैं।
  - **उदाहरण:** सतलुज नदी पर बना भाखड़ा नांगल बाँध बाढ़ नियंत्रण, बिजली उत्पादन और सिंचाई में मदद करता है।
- **तटीय बाढ़ प्रबंधन:**
  - मैंग्रोव तूफानी लहरों और तटीय बाढ़ के विरुद्ध प्राकृतिक अवरोधक के रूप में कार्य करते हैं, जैसा कि वर्ष 2004 की सुनामी के दौरान देखा गया था।
  - केंद्रीय बजट 2023-24 में शुरू की गई MISHTI पहल भारत के तटों पर बड़े पैमाने पर मैंग्रोव वृक्षारोपण को बढ़ावा देती है।
- **बाढ़ पूर्वानुमान और पूर्व चेतावनी प्रणाली:**
  - ये प्रणालियाँ बाढ़ की भविष्यवाणी करने और समय पर चेतावनी जारी करने के लिये मौसम संबंधी तथा जल विज्ञान संबंधी आँकड़ों का उपयोग करती हैं।
  - **उदाहरण:** केंद्रीय जल आयोग (CWC) देशभर में पूर्वानुमान केंद्रों का नेटवर्क संचालित करता है जो दैनिक बाढ़ बुलेटिन जारी करता है।
- **बाढ़ क्षेत्र ज़ोनिंग:**
  - इसमें बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में भूमि उपयोग को विनियमित करना शामिल है, ताकि संवेदनशीलता को कम किया जा सके और आर्द्रभूमि जैसे प्राकृतिक बाढ़ अवशोषक को संरक्षित किया जा सके।
  - **उदाहरण:** NDMA के बाढ़ क्षेत्र ज़ोनिंग दिशानिर्देश भूमि को चार जोखिम-आधारित क्षेत्रों में वर्गीकृत करते हैं- निषिद्ध, प्रतिबंधित, विनियमित और मुक्त।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **बाढ़ बीमा योजनाएँ:**
  - बाढ़ बीमा प्रीमियम के बदले में नुकसान की भरपाई प्रदान करता है, जिससे जोखिम न्यूनीकरण को प्रोत्साहन मिलता है।
  - **उदाहरण:** प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाली फसल हानि को कवर करती है।

बारगी बाँध

- **परिचय:**
  - बारगी बाँध, जो जबलपुर में स्थित है, **नर्मदा नदी पर बने 30 बाँधों में से एक प्रमुख बाँध है।**
  - यह जबलपुर शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों को पानी उपलब्ध कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ:**
  - बाँध के आधार पर दो बड़ी सिंचाई परियोजनाएँ- **बरगी डायवर्ज़न प्रोजेक्ट और रानी अवंतीबाई लोढी सागर प्रोजेक्ट** विकसित की गई हैं।
  - इन परियोजनाओं ने क्षेत्र में कृषि उत्पादन को बढ़ावा दिया है और जल उपलब्धता में सुधार किया है।
- **उभरता हुआ पर्यटन स्थल:**
  - बरगी बाँध जबलपुर में एक **लोकप्रिय पर्यटन स्थल** बन गया है, जो अपने मनोरम दृश्यों और मनोरंजन की संभावनाओं के लिये पर्यटकों को आकर्षित करता है।

लाडली बहना योजना के तहत सहायता राशि बढ़ाई

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि **दिवाली** के बाद, लाडली बहना योजना की 1.27 करोड़ से अधिक महिला लाभार्थियों को 1,500 **रुपए** प्रति माह मिलना शुरू हो जाएगा, जो वर्तमान 1,250 **रुपए** से अधिक है।

मुख्य बिंदु

- **लाडली बहना योजना के बारे में:**
  - इस योजना का शुभारंभ **10 जून 2023** को तत्कालीन मुख्यमंत्री **शिवराज सिंह चौहान** द्वारा किया गया था।
  - इसके तहत **23 से 60 वर्ष** की आयु की विवाहित महिलाओं को शुरू में 1,000 **रुपए** की सहायता दी गई, जिसे बाद में बढ़ाकर 1,250 **रुपए** प्रति माह कर दिया गया।
  - इसका मुख्य उद्देश्य **मध्य प्रदेश** की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।
  - **महिलाओं के लिये विशेष बजट आवंटन:**
    - सरकार ने महिला-केंद्रित योजनाओं के लिये 27,147 करोड़ **रुपए** का समर्पित बजट निर्धारित किया है, जिसमें से 18,699 करोड़ **रुपए लाडली बहना योजना** के लिये आवंटित किये गए हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **अन्य महिला-केंद्रित योजनाएँ:**
- **लाडली लक्ष्मी योजना के बारे में:**
  - वर्ष 2006 में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं की शैक्षिक और आर्थिक स्थिति में सुधार करके उनका भविष्य सुरक्षित करना है।
  - इसका उद्देश्य बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक **सामाजिक मानसिकता** को बढ़ावा देना तथा लैंगिक भेदभाव को कम करना भी है।
- **पात्रता मापदंड:**
  - इस योजना से उन माता-पिता को लाभ मिलता है जिन्होंने दो जीवित बच्चों के बाद परिवार नियोजन अपनाया है, जिससे जनसंख्या नियंत्रण सुनिश्चित होता है।
  - इस योजना के लिये पात्र होने के लिये परिवारों को आंगनवाड़ी केंद्र में पंजीकृत होना चाहिये तथा आयकर दाता नहीं होना चाहिये।
- **वित्तीय लाभ:**
  - राज्य सरकार लड़की के जन्म से लेकर उसके नाम पर प्रतिवर्ष 6,000 **रुपए** मूल्य के राष्ट्रीय बचत प्रमाण-पत्र खरीदती है, जब तक कि कुल राशि 30,000 **रुपए** तक नहीं पहुँच जाती।
  - जब लड़की 21 वर्ष की हो जाती है और यदि उसकी शादी 18 वर्ष की आयु से पहले नहीं हुई है, तो उसे योजना के तहत अंतिम लाभ के रूप में 1 लाख **रुपए** की एकमुश्त राशि मिलती है।
- **उषा किरण योजना के बारे में:**
  - **मध्य प्रदेश** सरकार द्वारा वर्ष 2006 में शुरू की गई उषा किरण योजना घरेलू हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं और बच्चों को सुरक्षा तथा कानूनी सहायता प्रदान करती है।
  - यह घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 तथा वर्ष 2006 में अधिसूचित इसके नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत कार्य करता है।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - इस योजना का उद्देश्य पीड़ितों को शारीरिक, यौन, मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक दुर्व्यवहार से बचाना है।
  - इसका उद्देश्य घरेलू हिंसा से प्रभावित महिलाओं और बच्चों के लिये न्याय, सम्मान तथा सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- **लक्षित लाभार्थी:**
  - यह योजना वैवाहिक स्थिति पर ध्यान दिये बिना सभी आयु वर्ग की महिलाओं को सहायता प्रदान करती है।
  - इसमें 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे भी शामिल हैं, जो घरेलू हिंसा से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

उज्जैन में आकाशवाणी केंद्र

चर्चा में क्यों ?

सरकार ब्रॉडकास्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड नेटवर्क डेवलपमेंट (BIND) योजना के तहत **उज्जैन** में एक नया **आकाशवाणी केंद्र** स्थापित करने जा रही है।

- यह पहल राज्य के **वंचित** और आकांक्षी ज़िलों में **मीडिया** बुनियादी ढाँचे को **मज़बूत** करने के लिये चल रहे प्रयासों का हिस्सा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **BIND योजना के बारे में:**
  - यह योजना प्रसार भारती को उसके प्रसारण **बुनियादी ढाँचे** के **विस्तार** और **उन्नयन**, विषय-वस्तु विकास तथा संगठन से संबंधित सिविल कार्यों पर होने वाले खर्चों के लिये वित्तीय सहायता प्रदान करती है।
    - देश के सार्वजनिक प्रसारक के रूप में प्रसार भारती, दूरदर्शन (DD) और आकाशवाणी (AIR) के माध्यम से देश के दूरदराज़ क्षेत्रों में लोगों के लिये सूचना, शिक्षा, मनोरंजन तथा जुड़ाव का सबसे महत्त्वपूर्ण माध्यम है।
    - प्रसार भारती ने **कोविड महामारी** के दौरान सार्वजनिक स्वास्थ्य संदेशों के प्रसारण तथा जनता को जागरूक करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **महत्त्व:**
  - **सार्वजनिक प्रसारण** के **दायरे** को बढ़ाने के अतिरिक्त, इस परियोजना में **प्रसारण उपकरणों** की आपूर्ति और स्थापना से जुड़े विनिर्माण तथा सेवाओं के माध्यम से अप्रत्यक्ष रोज़गार सृजित करने की क्षमता है।
  - आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिये **विषय-वस्तु निर्माण** तथा **विषय-वस्तु नवाचार** के अंतर्गत **टीवी/रेडियो उत्पादन, प्रसारण** तथा **मीडिया-संबंधित सेवाओं** में विभिन्न मीडिया क्षेत्रों से जुड़े विविध अनुभव वाले व्यक्तियों के लिये अप्रत्यक्ष रोज़गार की संभावनाएँ हैं।

प्रसार भारती

- प्रसार भारती एक वैधानिक स्वायत्त निकाय है। यह देश का लोक सेवा प्रसारक है।
- इसकी स्थापना **प्रसार भारती अधिनियम,1997** के तहत की गई थी।
- प्रसार भारती निगम का मुख्य उद्देश्य **दूरदर्शन** और **आकाशवाणी** को **स्वायत्तता** प्रदान करना है ताकि "जनता को शिक्षित तथा उसका मनोरंजन किया जा सके"।

दूरदर्शन

- **दूरदर्शन** भारत सरकार द्वारा स्थापित एक **स्वायत्त सार्वजनिक सेवा प्रसारक** है, जो **प्रसार भारती** के दो प्रभागों में से एक है। दूसरा प्रभाग ऑल इंडिया रेडियो (AIR) है।
- इसे पहली बार 15 सितंबर 1959 को **सार्वजनिक सेवा प्रसारण सेवा** के रूप में प्रसारित किया गया था।
- वर्ष **1965** में यह दिल्ली में प्रसारण करने वाला, सुबह और शाम के शो का दैनिक प्रसारण करने वाला प्रसारणकर्ता बन गया।
- **1 अप्रैल 1976** को यह **सूचना एवं प्रसारण मंत्रा**लय के अधीन आ गया और वर्ष 1982 में दूरदर्शन राष्ट्रीय प्रसारक बन गया।

कृषि और ग्रामीण विकास के लिये मध्य प्रदेश सरकार के प्रमुख सुधार

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में हुई एक कैबिनेट बैठक में **मध्य प्रदेश सरकार** ने कृषि सहायता को बढ़ावा देने, ग्रामीण आजीविका में सुधार करने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये।

- इन निर्णयों से राज्य भर के किसानों और स्थानीय समुदायों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

प्रमुख बिंदु:

- **किसानों के लिये सिंचाई कर में राहत:**
  - मध्य प्रदेश सरकार ने सभी किसानों के *बकाया सिंचाई जल कर पर लगने वाले जुर्माने को माफ* करने का निर्णय लिया है और इसके तहत *लगभग 84 करोड़ रुपए के ब्याज* को माफ किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- सरकार ने घोषणा की है कि जो किसान **31 मार्च 2026** तक *मूल बकाया राशि* का भुगतान कर देंगे, उन्हें *पूरे ब्याज हिस्से की* छूट दी जाएगी।
- इस निर्णय से राज्य भर के लगभग **35 लाख किसानों** को लाभ मिलने की संभावना है।

दालों की खरीद:

- कैबिनेट ने **रबी विपणन वर्ष 2023-24 से 2025-26** तक के लिये *ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की फसलों की* ***मूल्य समर्थन योजना (PSS)*** के तहत *खरीद को मंजूरी* दी है।
- इसके साथ ही **रबी सीजन 2024-25** में *लक्ष्य सीमा से अधिक खरीद* के लिये *सरकारी गारंटी नि:शुल्क* प्रदान करने की मंजूरी भी दी गई है।
- **मध्य प्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ (Markfed)** को *नामित खरीद एजेंसी* के रूप में कार्य सौंपा गया है।

CAMPA फंड्स का उपयोग:

- कैबिनेट ने *प्रतिवर्ष कार्य योजना (Annual Plan of Operation) 2025-26* के तहत **क्षतिपूरक वनीकरण कोष (CAMPA)** से आवंटित **1,478.38 करोड़ रुपए** में से **1,038 करोड़ रुपए** के उपयोग को मंजूरी दी है।
- इस राशि का उपयोग *वन संरक्षण परियोजनाओं* के लिये किया जाएगा, जिनमें *वनीकरण, नदी पुनर्जीवन, मृदा एवं जल संरक्षण* और *वन्यजीव संरक्षित क्षेत्रों से गाँवों का स्वैच्छिक पुनर्वास* शामिल हैं।

आँगनवाड़ी ढाँचे का विस्तार:

- कैबिनेट ने **सक्षम आँगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना** और **धरती आबा आदिवासी ग्राम उत्कर्ष अभियान** के अंतर्गत *नई आँगनवाड़ी केंद्रों की स्थापना एवं संचालन* को मंजूरी दी है।
- यह योजना **वर्ष 2025-26 से 2028-29** तक *15.21 करोड़ रुपए* प्राप्त करेगी, जिसमें **9.55 करोड़ रुपए केंद्र सरकार** और **5.66 करोड़ रुपए राज्य सरकार** द्वारा दिये जाएंगे।

मूल्य समर्थन योजना (PSS)

परिचय:

- भारत सरकार **वर्ष 2018 में शुरू की गई छत्र योजना "पीएम-आशा" (प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान) के तहत PSS** को लागू कर रही है।
- इस योजना में बाज़रा, ज्वार, मक्का, धान, कपास, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, तिल, गेहूँ, चना, सरसों और गन्ना जैसी प्रमुख फसलें शामिल हैं।

केंद्रीय एजेंसियों और MSP की भूमिका:

- **कृषि एवं सहकारिता विभाग** तिलहन, दलहन और कपास की खरीद के लिये PSS को क्रियान्वित करता है।
- इस उद्देश्य के लिये **NAFED (राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ)** केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- जब भी बाज़ार मूल्य सरकार द्वारा घोषित **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** से कम चला जाता है, तो नेफेड खरीद शुरू कर देता है।
- खरीद तब तक जारी रहती है जब तक कीमतें MSP स्तर पर या उससे ऊपर स्थिर नहीं हो जातीं।

योजना का उद्देश्य और प्रभाव:

- PSS का उद्देश्य किसानों के लिये स्थिर और लाभकारी मूल्य वातावरण सुनिश्चित करना है।
- यह मूल्य आश्वासन राज्य भर में कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

सक्षम आँगनवाड़ी और पोषण 2.0

- **परिचय:**
  - वित्तीय वर्ष 2021-22 में भारत सरकार (GoI) ने **एकीकृत बाल विकास सेवाओं (ICDS)** और पोषण (प्रधान मंत्री की समग्र पोषण योजना) अभियान को सक्षम आँगनवाड़ी तथा पोषण 2.0 में पुनर्गठित किया।
  - **पुनर्गठित योजना में निम्नलिखित उप-योजनाएँ शामिल हैं:**
    - ICDS
    - **पोषण अभियान**
    - **किशोरियों के लिये योजना (SAG)**
    - **राष्ट्रीय शिशु गृह योजना**

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA)

- **परिचय:**
  - भारत सरकार ने **DAJGUA** नामक एक *परिवर्तनकारी पहल* की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य **जनजातीय क्षेत्रों में समावेशी और सतत् विकास** सुनिश्चित करना है।
  - यह कार्यक्रम **जनजातीय बहुल क्षेत्रों** और **आकांक्षी ब्लॉकों** को *लक्षित हस्तक्षेप* के लिये प्राथमिकता देता है।
  - इस पहल से **5 करोड़ से अधिक जनजातीय नागरिकों** को लाभ मिलने की अपेक्षा है।
- **मुख्य फोकस क्षेत्र और उद्देश्य:**
  - इस योजना का उद्देश्य ***सामाजिक अवसंरचना, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आजीविका* के क्षेत्रों में *महत्त्वपूर्ण अंतर को कम करना*** है।
  - यह *एकीकृत प्रयासों* के माध्यम से ***जनजातीय समुदायों के समग्र विकास*** को सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखती है।

कुनो राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP) में एक आठ वर्ष की नामीबियाई मादा चीता की मृत्यु हो गई।

मुख्य बिंदु

- **कुनो राष्ट्रीय उद्यान:**
  - मध्य प्रदेश के **श्योपुर और मुरैना ज़िलों** में स्थित **कुनो राष्ट्रीय उद्यान** को वर्ष **1981 में** वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था तथा इसके **पारिस्थितिकीय महत्त्व** को देखते हुए वर्ष **2018 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा** प्रदान किया गया।
  - इस राष्ट्रीय उद्यान का नाम चंबल नदी **की प्रमुख सहायक नदी कुनो** के नाम पर रखा गया है और यहाँ मुख्यत: **शुष्क पतझड़ वन** पाए जाते हैं। यह विंध्य पर्वतमाला में स्थित है।
    - कुनो राष्ट्रीय उद्यान को प्रोजेक्ट चीता' के अंतर्गत **नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों** का निवास स्थान है।
  - **जुलाई 2025** तक कुनो में **26 स्थानांतरित अफ्रीकी चीते** तथा **भारत में जन्मे 17 शावक** हैं।
  - **प्राणी जगत:** तेंदुआ, धारीदार लकड़बग्घा, भारतीय भेड़िया, काला हिरण, सांभर हिरण तथा घड़ियाल (कुनो नदी)।
  - **वनस्पति जगत:** यहाँ के प्रमुख वृक्ष प्रजातियाँ हैं- **करधाई, खैर और सालै**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रोजेक्ट चीता:

- परियोजना का **पहला चरण वर्ष 2022** में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य देश में **वर्ष 1952** में विलुप्त घोषित किये गए चीतों की आबादी को बहाल करना है।
  - इसमें **दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से चीतों को कुनो राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित करना शामिल है।
  - यह परियोजना NTCA द्वारा मध्य प्रदेश वन विभाग और **भारतीय वन्यजीव संस्थान (Wildlife Institute of India- WII)** के सहयोग से कार्यान्वित की जा रही है।
- परियोजना के **दूसरे चरण** के अंतर्गत भारत समान आवासों के कारण **केन्या** से चीते लाने पर विचार कर रहा है।
  - चीतों को **कुनो राष्ट्रीय उद्यान** और **गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य (मध्य प्रदेश)** में स्थानांतरित किया जाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भोपाल में प्रधानमंत्री रोज़गार मेला आयोजित

चर्चा में क्यों ?

कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री ने मध्य प्रदेश के **भोपाल** में आयोजित **प्रधानमंत्री रोज़गार मेला** के दौरान नवचयनित अभ्यर्थियों को **नियुक्ति-पत्र** वितरित किये।

- इस राष्ट्रव्यापी **रोज़गार अभियान** के तहत देशभर में **51,000 से अधिक अभ्यर्थियों** को **सरकारी नौकरियों के नियुक्ति-पत्र** प्रदान किये गए।

मुख्य बिंदु

- **प्रधानमंत्री रोज़गार मेला के बारे में:**
  - भारत सरकार ने **22 अक्तूबर, 2022** को पहला **रोज़गार मेला** शुरू किया, जिसके तहत **75,000 से अधिक नवचयनित अभ्यर्थियों** को **नियुक्ति-पत्र** वितरित किये गए।
  - अब तक सरकार ने देशभर में **रोज़गार मेले के 16 संस्करण** आयोजित किये हैं, जिनमें **10 लाख से अधिक भर्ती-पत्र** जारी किये गए हैं।
  - यह पहल **रोज़गार के अवसरों का विस्तार** करने तथा एक **मज़बूत और भविष्य के लिये तैयार कार्यबल** के निर्माण की सरकार की **व्यापक रणनीति** का हिस्सा है।
  - **सरकारी भर्ती के पूरक** के रूप में, **कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय** के अंतर्गत **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)** बेरोज़गार युवाओं को **निजी क्षेत्र में नौकरियों** से जोड़ने के लिये **रोज़गार मेलों** का आयोजन कर रहा है।
- **उद्देश्य:**
  - युवाओं को **करियर के अवसर प्रदान कर** सशक्त बनाना
  - **राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी** को प्रोत्साहित करना
  - **नियोक्ताओं और उम्मीदवारों के बीच** रोज़गार की प्रक्रिया को त्वरित करना
  - **समतापूर्ण एवं समावेशी विकास** के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना
- **विभागवार नियुक्तियों का समावेश:**
  - नव नियुक्त अभ्यर्थियों ने **रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग** तथा **श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय** जैसे प्रमुख मंत्रालयों और विभागों में कार्यभार ग्रहण किया है।
  - यह **लोक प्रशासन में मानव संसाधनों की समग्र मज़बूती** को दर्शाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)

- **राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC)**, **कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (MSDE)** के अधीन कार्य करता है और भारत के **कौशल विकास एजेंडा** में इसकी केंद्रीय भूमिका है।
- **31 जुलाई, 2008** को स्थापित NSDC एक **लाभ-निरपेक्ष सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी** है, जिसे कंपनी अधिनियम, 1956 **की धारा 25** के तहत पंजीकृत किया गया है।
- यह एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य **सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग** को बढ़ावा देकर **व्यावसायिक प्रशिक्षण के अवसरों** का विस्तार करना है।
- इसका मुख्य उत्तरदायित्व **निजी क्षेत्र द्वारा संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण पहलों को सशक्त बनाना, समर्थन देना और उनका समन्वय करना** है।
- यह संगठन कौशल भारत मिशन के तहत **कौशल प्रशिक्षण की गुणवत्ता और पहुँच** में सुधार पर केंद्रित है।
- NSDC का लक्ष्य **उद्योग-उपयुक्त कौशल प्रशिक्षण** के माध्यम से भारत के युवाओं को **रोज़गार योग्य** बनाना और एक **कुशल व्यावसायिक प्रशिक्षण पारितंत्र** का निर्माण करना है।

स्माइल-बी पर राष्ट्रीय कार्यशाला

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (MoSJE) ने **इंदौर** में एक **राष्ट्रीय कार्यशाला** एवं **अभिविन्यास कार्यक्रम** का आयोजन किया, जिसमें भिक्षावृत्ति में संलिप्त व्यक्तियों के व्यापक पुनर्वास के उद्देश्य से स्माइल-बी उप-योजना पर ध्यान केंद्रित किया गया।

मुख्य बिंदु

स्माइल-बी के बारे में:

- यह SMILE पहल की एक **उप-योजना** है, जिसका उद्देश्य **भीख माँगने में संलिप्त व्यक्तियों** को **सम्मानजनक** एवं **स्थायी समर्थन** के साथ **समाज की मुख्यधारा** में पुन: **शामिल** करके 'भिक्षावृत्ति मुक्त भारत' का निर्माण करना है।
- **दिसंबर 2024** तक यह योजना **81 शहरों/कस्बों** में लागू की जा चुकी है, जिनमें प्रमुख **तीर्थस्थल**, **ऐतिहासिक स्थल** एवं **पर्यटन स्थल** शामिल हैं।
- **अगले चरण** में इसका विस्तार **50 अतिरिक्त शहरों** तक करने का **लक्ष्य** निर्धारित किया गया है।
- **अप्रैल 2025** तक भारत में **9,958 व्यक्तियों** की पहचान **भीख माँगने में संलिप्त** के रूप में की गई है, जिनमें से **विभिन्न योजना हस्तक्षेपों** के माध्यम से **970 व्यक्तियों** का **सफलतापूर्वक पुनर्वास** किया गया है।

राष्ट्रीय कार्यशाला और अभिविन्यास कार्यक्रम के बारे में:

- इस कार्यक्रम में **भीख माँगने में संलिप्त व्यक्तियों** के लिये **बचाव कार्य**, **प्राथमिक पुनर्वास** और **आजीविका** पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।
- **कार्यशाला** में **राज्य नोडल अधिकारियों**, शहरी स्थानीय निकाय (ULB) के **प्रतिनिधियों**, **गैर सरकारी संगठनों** तथा **नागरिक समाज समूहों** सहित विविध **प्रतिभागियों** ने भाग लिया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- प्रतिभागियों ने **SMILE-B योजना** के **कार्यान्वयन** में आने वाली **चुनौतियों** और अपनाई गई **श्रेष्ठ प्रथाओं** पर केंद्रित **विचार-विमर्श** किया।

SMILE योजना के बारे में

- **अक्तूबर 2023** में प्रारंभ की गई **SMILE योजना** (*Support for Marginalized Individuals for Livelihood and Enterprise*) का उद्देश्य **'भिक्षावृत्ति मुक्त भारत'** का निर्माण करना है।
- **पुनर्वास रणनीति:** इस योजना के अंतर्गत:
  - **पहचान**, **पहुँच** और **पुनर्वास** के लिये **स्थानीय निकायों** के साथ समन्वय किया जाता है।
  - **फोटो/वीडियो दस्तावेज़ीकरण** के माध्यम से **सहानुभूतिपूर्ण जुड़ाव** और **व्यक्तिगत प्रोफाइलिंग** की जाती है।
  - ज़िला प्रशासन, **गैर सरकारी संगठन**, स्वयं सहायता समूह तथा **मंदिर ट्रस्ट** जैसे संस्थान **परामर्श**, **शिक्षा** तथा **पुनः एकीकरण सहायता** जैसी सेवाएँ प्रदान करते हैं।

भिक्षावृत्ति

- भिक्षावृत्ति में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से **भीख माँगना** शामिल होता है, जैसे **गाना**, **वस्तुएँ बेचना** या **शारीरिक विकृतियाँ प्रदर्शित करना**।
  - **इंदौर (मध्य प्रदेश)** को **'भिक्षावृत्ति मुक्त भारत'** पहल के तहत भारत का पहला भिक्षावृत्ति मुक्त शहर घोषित किया गया है।
- **स्थिति:**
  - जनगणना 2011 के अनुसार, भारत में **4.13 लाख भिखारी** हैं, जिनमें सर्वाधिक संख्या **उत्तर प्रदेश**, **बिहार**, **महाराष्ट्र** और **मध्य प्रदेश** में है।
  - सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (SECC) 2011 के अनुसार, **6.62 लाख ग्रामीण परिवार** अपनी आजीविका के लिये **भीख माँगने** पर **निर्भर** हैं।
- **संवैधानिक आधार:**
  - **अवारागर्दी** (जिसमें भिक्षावृत्ति शामिल है) समवर्ती सूची (सूची-III, प्रविष्टि 15) के अंतर्गत आती है, जहाँ **केंद्र** और **राज्य**, दोनों को **कानून** बनाने का अधिकार है।
- **केंद्रीय कानून का अभाव:**
  - भारत में **भीख माँगने** से संबंधित कोई **एक समान केंद्रीय कानून** नहीं है।
  - वर्तमान में **बॉम्बे भिक्षावृत्ति निवारण अधिनियम, 1959** प्रमुख कानून के रूप में लागू है, जो **भीख माँगने को अपराध** घोषित करता है और **भिखारियों की व्यापक परिभाषा** प्रस्तुत करता है।

एक जिला एक उत्पाद योजना

चर्चा में क्यों ?

केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश को उसके अनूठे उत्पादों और 'एक ज़िला-एक उत्पाद' (ODOP) पहल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों की श्रेणी में वर्ष 2024 **ODOP पुरस्कारों** में **रजत पदक** से सम्मानित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह उपलब्धि 'स्थानीय हाथों से वैश्विक प्लेटफार्मों' के दृष्टिकोण को साकार करने के लिये राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्यों के साथ संरेखित है।

मुख्य बिंदु

मध्य प्रदेश के ODOP उत्पादों के बारे में:

- **व्यापक उत्पाद कवरेज:** मध्य प्रदेश में **ODOP योजना** के अंतर्गत **भौगोलिक**, **जैविक**, **प्राकृतिक** अथवा **उत्पादन-विशिष्ट विशिष्टता** के आधार पर चयनित उत्पादों को शामिल किया गया है।
- यह योजना सभी **ज़िलों** में क्रियान्वित की जा रही है, जिसमें **हरी सब्ज़ियाँ**, **बाजरा**, हस्तशिल्प, हथकरघा तथा **स्थानीय औज़ारों** जैसे विभिन्न उत्पादों को समर्थन प्रदान किया जा रहा है तथा **स्थानीय कारीगरों** को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
- **मध्य प्रदेश** अपने **ODOP उत्पादों** का **वैश्विक स्तर** पर विस्तार कर रहा है। राज्य ने एक **ज़मीनी स्तर** का **निर्यातक आधार** विकसित किया है और कई स्थानीय उत्पाद अब **अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों** तक **पहुँच** बना रहे हैं। प्रमुख उदाहरणों में शामिल हैं:
  - **बुरहानपुर** के **केले**
  - **रायसेन** का **बासमती चावल**
  - **बालाघाट** का **चिनौर चावल**
- **ODOP पहल** एक **जन-संचालित आंदोलन** के रूप में विकसित हुई है, जो **कारीगरों**, स्वयं सहायता समूहों, **FPO**, स्टार्टअप और **स्थानीय उद्यमियों** को सक्रिय रूप से शामिल करती है।
- **भौगोलिक संकेत (GI) टैग मान्यता:**
  - मध्य प्रदेश के **उन्नीस उत्पादों** को GI टैग प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से **सात** को **ODOP योजना** में शामिल किया गया है। प्रमुख उत्पादों में शामिल हैं:
    - चंदेरी साड़ी, बाग प्रिंट, माहेश्वरी साड़ी
    - कड़कनाथ चिकन, रतलामी सेव, मुरैना गजक
    - गोंड चित्रकला, गढ़ा लोहा शिल्प, बेल धातु बर्तन और अन्य।

एक जिला एक उत्पाद योजना के बारे में

- **ODOP पहल** का उद्देश्य भारत के प्रत्येक **ज़िले** से **अद्वितीय उत्पादों** की पहचान और पोषण करके संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है।
- इस पहल का उद्देश्य समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने तथा **स्थानीय समुदायों** के लिये अवसर उत्पन्न करने हेतु प्रत्येक ज़िले से कम-से-कम एक **विशिष्ट उत्पाद** का **चयन**, **ब्रांडिंग** और **प्रचार** करना है।
- अब तक **ODOP पहल** के अंतर्गत **761 ज़िलों** से **1,102 उत्पादों** की पहचान की गई है, जो देश में **शिल्प**, **उत्पादन** और **उद्योगों** की **समृद्ध विविधता** को उजागर करते हैं।
- **राज्य सरकार उद्यमियों** को इन उत्पादों को **राष्ट्रीय** तथा **अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों** में पहचान दिलाने हेतु **वित्तीय सहायता**, **समूह विपणन सुविधाएँ** तथा अन्य **संसाधन** प्रदान करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भौगोलिक संकेत (GI) टैग

- **परिचय:**
  - भौगोलिक संकेत (GI) टैग, एक ऐसा **नाम या चिह्न** है, जिसका **उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है** जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
  - GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल **अधिकृत उपयोगकर्त्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों** को ही लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
    - यह उत्पाद को दूसरों द्वारा नकल या अनुकरण किये जाने से भी बचाता है।
  - एक पंजीकृत GI टैग **10 वर्षों के लिये वैध** होता है।
  - GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन **उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग** द्वारा की जाती है।
- **विधिक ढाँचा:**
  - यह **बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS) पर WTO समझौते** द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।

इंदौर स्वच्छ रैंकिंग में शीर्ष पर

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, **इंदौर** को लगातार आठवें वर्ष भारत का **सबसे स्वच्छ शहर** घोषित किया गया है।

मुख्य बिंदु

मध्य प्रदेश के शीर्ष प्रदर्शनकर्त्ता:

- **इंदौर:**
  - उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते इसे **'सुपर स्वच्छ लीग शहरों'** की श्रेणी में अपग्रेड किया गया है।
  - यह इस नई विशिष्ट श्रेणी में शीर्ष स्थान पर रहा, जिसे अगले वर्ष से अलग से रैंक किया जाएगा।।
- **भोपाल:**
  - **10 लाख से अधिक आबादी** वाले शहरों में देश का **दूसरा सबसे स्वच्छ शहर** घोषित किया गया।
  - पिछले वर्षों की तुलना में प्रदर्शन में सुधार करते हुए यह अब केवल अहमदाबाद से पीछे है।
- **जबलपुर:**
  - पहली बार **राष्ट्रीय स्तर पर पाँचवाँ स्थान** प्राप्त किया।
  - इसे **सात-सितारा रेटिंग** प्राप्त हुई तथा **जल अधिशेष शहर** के रूप में मान्यता मिली।
- **उज्जैन:**
  - **मध्यम आकार के शहरों** की श्रेणी में मान्यता प्राप्त की और **3-10 लाख आबादी** वाले समूह में 'सुपर स्वच्छ लीग शहरों' की श्रेणी में शामिल हुआ।
- **कटनी:**
  - **स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25** में देशभर में **आठवाँ स्थान** प्राप्त किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **शहरी स्वच्छता में राज्यव्यापी कवरेज:**
  - मूल्यांकन में **383** शहरी स्थानीय निकाय शामिल थे, जो पहले के 378 से अधिक हैं।
- **पुरस्कार और मान्यता:**
  - **मध्य प्रदेश ने वर्ष 2025 में आठ राष्ट्रीय पुरस्कार** प्राप्त किये, जबकि 2023–24 में यह संख्या छह थी।
  - **शाहगंज, नगरी और नयागाँव** जैसे शहरों ने भी उच्च रैंकिंग प्राप्त की, जो राज्यव्यापी प्रभाव को दर्शाता है।
- **सुपर स्वच्छ लीग शहर:**
  - शीर्ष स्तर के प्रदर्शनकर्त्ताओं को अलग से रैंक करने के लिये एक नई श्रेणी शुरू की गई।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

स्वच्छ सर्वेक्षण

- **लॉन्च:** इसे वर्ष **2016 में 73 शहरों** के साथ लॉन्च किया गया था और इसके बाद इसमें तीव्र वृद्धि हुई है; वर्ष **2024-25 संस्करण में 4,589 शहरों** को शामिल किया गया है।
- **उद्देश्य: नागरिक भागीदारी** को बढ़ावा देना और **स्वच्छता** के प्रति **जागरूकता** बढ़ाना ।
- यह **शहरी स्वच्छता**, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा **सार्वजनिक स्वच्छता** में सुधार के लिये शहरों को **प्रतिस्पर्द्धा** हेतु प्रोत्साहित करता है।
- **संचालन प्राधिकरण:** इसे **आवास और शहरी कार्य मंत्रालय (MoHUA)** द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत कार्यान्वित किया जाता है।

भोपाल की झीलों का जल पीने योग्य नहीं

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPPCB) ने बताया है कि झीलों की नगरी के रूप में प्रसिद्ध **भोपाल** की कई **झीलों का जल प्रदूषित** हो चुका है।

मुख्य बिंदु

- **MPPCB द्वारा जल गुणवत्ता मूल्यांकन:**
  - **मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPPCB)** ने **भोपाल की प्रमुख झीलों** की जल गुणवत्ता का विश्लेषण **जनवरी से अप्रैल** तक **चार माह** की अवधि में किया।
  - झीलों को प्रदूषण स्तर और **संभावित उपयोग** के आधार पर **A से C श्रेणी** में वर्गीकृत किया गया
    - **श्रेणी A:** केवल कीटाणुशोधन के बाद **पीने योग्य जल**।
    - **श्रेणी B: बाहरी स्नान** के लिये उपयुक्त।
    - **श्रेणी C:** केवल **परंपरागत उपचार और कीटाणुशोधन** के बाद पीने योग्य।
- **भोपाल में प्रमुख झीलों की स्थिति:**
  - **अपर लेक:**
    - यह भोपाल के लिये पेयजल का एक प्रमुख स्रोत है, इसे **लगातार B श्रेणी** में पाया गया है।
    - **श्रेणी B** यह दर्शाती है कि पानी केवल *बाहरी स्नान* के लिये उपयुक्त है, प्रत्यक्ष उपभोग के लिये नहीं।
  - **लोअर लेक:**
    - यह झील अपर लेक की तुलना में अधिक **प्रदूषित** पाई गई। पूरे मूल्यांकन काल में यह **लगातार श्रेणी C** में रही।
    - इसका जल पीने से पहले **पूर्ण उपचार एवं कीटाणुशोधन** की आवश्यकता है।
  - **शाहपुरा झील:**
    - शाहपुरा झील जनवरी से अप्रैल तक की मूल्यांकन अवधि में श्रेणी C में रही।
    - प्रदूषण के लगातार बढ़ते स्तर के कारण झील का पानी सीधे उपयोग के लिये अनुपयुक्त हो गया है तथा इसे पीने से पहले पूर्ण उपचार की आवश्यकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **हथाईखेड़ा बाँध:**
  - **हथाईखेड़ा बाँध** की जल गुणवत्ता भी सभी चार महीनों के दौरान **श्रेणी C के अंतर्गत वर्गीकृत की गई।**
  - यहाँ का पानी उचित उपचार के बिना पीने योग्य नहीं है।
  - इसबाँध का निर्माण **कोलार नदी पर किया गया है।**
- **कलियासोत बाँध:**
  - यह **भोपाल** में **कलियासोत नदी पर बना है।** इसे मार्च और अप्रैल के महीनों के लिये **श्रेणी 'A' तथा** जनवरी और फरवरी के लिये **श्रेणी 'B' का दर्जा दिया गया है।**
  - मूल्यांकन अवधि के दौरान न्यूनतम उपचार के साथ पानी **पीने योग्य था।**
- **केरवा बाँध:**
  - इसमें भी **कलियासोत बाँध के समान प्रवृत्ति** देखी गई।
  - इसे **मार्च और अप्रैल में श्रेणी A** तथा **जनवरी और फरवरी में श्रेणी B** में रखा गया।
  - यह बाँध **भोपाल के पास केरवा नदी** पर स्थित है।

- **प्रमुख प्रदूषण संकेतक:**
  - **कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की उपस्थिति:** कई झीलों में इसकी मात्रा **निर्धारित सीमा से अधिक** पाई गई। यह **मानव मल प्रदूषण** का संकेत देता है।
  - **सीवेज प्रवाह:** झीलों में **अशोधित सीवेज का प्रवाह** जल प्रदूषण का **मुख्य कारण** है।

मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPPCB)

- यह राज्य में **प्रदूषण की रोकथाम** और **पर्यावरण संरक्षण** के लिये **उत्तरदायी निकाय** है।
- यह विभिन्न **प्रमुख पर्यावरणीय कानूनों** को लागू करता है, जिनमें शामिल हैं:
  - जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974
  - वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981
  - पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के कुछ प्रावधान
  - **सार्वजनिक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991**
  - **मध्य प्रदेश जैव अनाश्य अपशिष्ट (नियंत्रण) अधिनियम एवं नियम**
- बोर्ड का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रयोजनों के लिये **स्वच्छ और उपयोगी वायु, जल तथा मिट्टी** को बनाए रखना है।
- इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु बोर्ड राज्य में **14 क्षेत्रीय कार्यालय** तथा **3 ज़िला कार्यालय** संचालित करता है।

उन्नत ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना पर राष्ट्रीय कार्यशाला

चर्चा में क्यों ?

पंचायती राज मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में उन्नत ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया, जिसका शीर्षक था **"नवीनग्राम - गाँव की पुनर्कल्पना"।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

राष्ट्रीय कार्यशाला के बारे में:

- **कार्यक्रम विवरण:** यह एक **ऐतिहासिक पहल है,** जो नियोजन और वास्तुकला के **19 साझेदार संस्थानों को** एक साथ ला रही है।
  - इसमें **14 राज्यों की** 36 **ग्राम पंचायतों** के लिये **उन्नत स्थानिक योजनाएँ प्रस्तुत की गई हैं,** जो भारत के ग्रामीण स्थानिक विकास के इतिहास में सबसे बड़ा सहयोगात्मक प्रयास है।
  - **यह कार्यशाला फरवरी 2024** में आयोजित **ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना** पर **क्रॉस लर्निंग-कम-इंटरैक्टिव राष्ट्रीय कार्यशाला** की सफलता पर आधारित है।
  - **यह** पंचायती राज प्रशासन के साथ **आधुनिक नियोजन सिद्धांतों को** एकीकृत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
  - यह कार्यशाला माननीय प्रधानमंत्री के **आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों** के दृष्टिकोण पर आधारित है।
  - कार्यशाला ग्रामीण शासन और विकास के लिये नए मानदंड स्थापित करती है तथा यह सुनिश्चित करती है कि **वैज्ञानिक स्थानिक नियोजन** भारत में सतत् ग्रामीण विकास का आधार बने।
- **प्रतिभागी एवं हितधारक:** कार्यशाला में निम्नलिखित **हितधारकों** ने भाग लिया:
  - पंचायती राज संस्थाओं के **निर्वाचित प्रतिनिधि।**
  - विभिन्न राज्यों के पंचायती राज विभागों के **अधिकारी।**
  - योजना एवं वास्तुकला संस्थानों के **संकाय एवं छात्र।**
  - नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अधिकारी और सरकारी एजेंसियाँ।
- **वित्तीय सततता और हितधारक भागीदारी पर केंद्रित प्रयास:**
  - इस पहल के तहत **ग्रामीण क्षेत्र विकास योजना निर्माण और क्रियान्वयन (RADPFI) दिशानिर्देशों** के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया है।
  - यह समुदाय के सदस्यों, वित्त प्रदाताओं, नीतिनिर्माताओं और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं जैसे हितधारकों से सहयोग प्राप्त कर **ग्रामीण परिदृश्यों में रूपांतरण** लाने का उद्देश्य रखती है।
  - **ग्राम पंचायतों को वित्तीय रूप से सतत् बनाने** के लिये **स्वयं के राजस्व स्रोत (OSR)** सृजन तथा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) साझेदारियों के महत्त्व पर विशेष ज़ोर दिया गया है।
- **भौगोलिक प्रतिनिधित्व:**
  - उद्घाटन दिवस पर **मध्य प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, झारखंड** तथा **कर्नाटक** सहित सात राज्यों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं।
  - इन प्रस्तुतियों में **देशव्यापी गति** और विभिन्न भौगोलिक संदर्भों में **विविध कार्यान्वयन दृष्टिकोणों** पर प्रकाश डाला गया।
- **मध्य प्रदेश में प्रगति:**
  - **मध्य प्रदेश में बिलकिसगंज** और **मुरवास ग्राम पंचायतें** अपने व्यापक स्थानिक नियोजन कार्यान्वयन में अच्छी प्रगति कर रही हैं।
  - राज्य की पाँच अन्य ग्राम पंचायतों में भी इसी प्रकार की कार्यप्रणाली अपनाई जाएगी, जिसमें **पंचायती राज विभाग** इस पहल के लिये पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

- **ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना** एक समग्र योजना होती है, जो किसी ग्राम पंचायत के **भौतिक और स्थानिक विकास** को मार्गदर्शित करती है।
- यह निर्धारित करती है कि **भूमि का उपयोग कैसे किया जाए, किस प्रकार की अवसंरचना का निर्माण हो** तथा सामाजिक और आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विकास का प्रबंधन कैसे किया जाए।

नवीनग्राम पहल के बारे में:

- नवीनग्राम पहल का उद्देश्य भारत को ग्रामीण स्थानिक विकास योजना निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करना है।
- यह पहल योजनाबद्ध विकास के **अनुकरणीय मॉडल** तैयार करती है, जो ग्रामीण भारत के हर कोने तक पहुँचते हुए विरासत के संरक्षण और समावेशी विकास को बढ़ावा देती है।
- यह गाँवों को केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि सुनियोजित समुदायों में रूपांतरित करती है, जहाँ **भूमि उपयोग**, अवसंरचना विकास और **सतत् संसाधन प्रबंधन** का समुचित संतुलन होता है।

मध्य प्रदेश पुष्प उत्पादन में तीसरे स्थान पर

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश पुष्पोत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश का **तीसरा सबसे बड़ा फूल उत्पादक राज्य** बन गया है।

मुख्य बिंदु

मध्य प्रदेश के पुष्पोत्पादन क्षेत्र के बारे में:

- **बढ़ता क्षेत्र और उत्पादन:**
  - वर्ष 2024-25 में मध्य प्रदेश में 42,978 हेक्टेयर क्षेत्र में फूलों की खेती की गई, जिससे 5.12 लाख मीट्रिक टन का रिकॉर्ड उत्पादन प्राप्त हुआ।
  - पुष्पोत्पादन क्षेत्रफल वर्ष 2021-22 के 37,647 हेक्टेयर से बढ़कर 42,976 हेक्टेयर हो गया, वहीं उत्पादन में 86,294 टन की वृद्धि दर्ज की गई।
- **उत्पादकता:**
  - राज्य की प्रति हेक्टेयर पुष्प उत्पादकता 15.01 मीट्रिक टन है, जो पुष्पकृषि उद्योग में एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जा रही है।
- **प्रमुख पुष्प और किस्में:**
  - **प्राथमिक पुष्प:** गेंदा, गुलाब, गुलदाउदी, ग्लैडियोलस, **रजनीगंधा** तथा औषधीय पुष्प जैसे **ईसबगोल,** अश्वगंधा और **सफेद मूसली**।
  - **गेंदा:** सबसे बड़े क्षेत्र में उगाया जाने वाला पुष्प, जिसका क्षेत्रफल 24,214 हेक्टेयर है।
  - **गुलाब:** लगभग 4,502 हेक्टेयर क्षेत्र में उत्पादित।
  - **अन्य किस्में:** गुलदाउदी (1,709 हेक्टेयर), ग्लैडियोलस (1,058 हेक्टेयर), ट्यूबरोज़ (263 हेक्टेयर) तथा अन्य विविध किस्में 11,227 हेक्टेयर क्षेत्र में उगाई जाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **सरकारी पहल और निवेश:**
  - **राज्य तथा केंद्र सरकारें** विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पुष्पोत्पादन को प्रोत्साहित कर रही हैं, जिसका उद्देश्य **किसानों की आय को दोगुना** करना तथा कृषि को लाभकारी बनाना है।
  - **छोटी जोत (1-3 एकड़)** वाले किसान भी फूलों की खेती से लाभान्वित हो रहे हैं।
  - **राज्य का बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग,** फूलों की **गुणवत्ता सुधार**, **प्रशिक्षण** एवं **विपणन पहलों** को सशक्त बनाने हेतु निरंतर कार्य कर रहा है।
  - वर्ष 2024-25 में, फूलों की खेती में 5,329 हेक्टेयर का विस्तार देखा गया, जिसमें सरकारी पहलों ने इस वृद्धि में 33% से अधिक की सहायता की।
  - **तकनीकी प्रशिक्षण और उच्च तकनीक नर्सरियाँ** जैसी पहलें इस क्षेत्र के विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।
    - इस क्षेत्र को और आगे बढ़ाने के लिये **ग्वालियर** में 13 करोड़ रुपए की लागत से केंद्र समर्थित **हाई-टेक पुष्पोत्पादन नर्सरी** विकसित की जा रही है।
- **बाज़ार विस्तार:**
  - **घरेलू मांग:** मध्य प्रदेश में उत्पादित फूलों की जयपुर, दिल्ली तथा मुंबई जैसे महानगरों में उच्च मांग है।
  - **अंतर्राष्ट्रीय पहुँच:** गुना ज़िले के गुलाब अब पेरिस और लंदन जैसे वैश्विक बाज़ारों तक पहुँच बना रहे हैं।
- **महत्त्व:**
  - अनुकूल जलवायु, उन्नत सिंचाई सुविधाएँ तथा सरकारी समर्थन में निरंतर वृद्धि के साथ मध्य प्रदेश, राष्ट्रीय **पुष्पोत्पादन** परिदृश्य में **अग्रणी राज्य बनने की दिशा में अग्रसर है**, जिससे ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और भारत के कृषि विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

पुष्पोत्पादन के बारे में

- **भारत सरकार** ने **पुष्पोत्पादन** को एक **उभरते हुए उद्योग** के रूप में चिह्नित किया है तथा इसे **100% निर्यातोन्मुख दर्जा** प्रदान किया गया है।
  - एक **उभरता हुआ उद्योग** वह क्षेत्र होता है जो अपनी प्रारंभिक अवस्था में होता है परंतु उसमें भविष्य में **तेज़ी से विस्तार** और **अर्थव्यवस्था पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव** डालने की प्रबल संभावना होती है।
- यह पाया गया है कि वाणिज्यिक पुष्पोत्पादन में प्रति इकाई क्षेत्रफल पर अन्य अधिकांश फसलों की तुलना में अधिक लाभ की संभावना होती है, जिससे यह एक **लाभदायक व्यवसाय** के रूप में उभर रही है।
- उदारीकृत अर्थव्यवस्था के प्रभाव से **भारतीय उद्यमियों** को **नियंत्रित जलवायु परिस्थितियों** में निर्यातोन्मुख पुष्पकृषि इकाइयों की स्थापना हेतु प्रोत्साहन मिला है।
- **कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA)** भारत में **पुष्पोत्पादन** के निर्यात संवर्द्धन एवं विकास हेतु **नोडल एजेंसी** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **किस्में:**
  - इनमें मुख्यत: कटे हुए फूल, गमले के पौधे, कटी हुई पत्तियाँ, बीज, बल्ब, कंद, जड़युक्त कलमें और सूखे फूल या पत्तियाँ शामिल होती हैं।
  - अंतर्राष्ट्रीय कटा हुआ फूल व्यापार में प्रमुख पुष्प फसलें हैं- गुलाब, कार्नेशन, गुलदाउदी, गेरबेरा, ग्लैडियोलस, जिप्सोफिला, लिआट्रिस, नेरिन, ऑर्किड, आर्किलिया, एंथुरियम, ट्यूलिप और लिली।
  - **गेरबेरा, कार्नेशन** जैसी पुष्पीय फसलें **ग्रीनहाउस** में उगाई जाती हैं, जबकि **गुलदाउदी, गुलाब, गैलार्डिया, लिली, मैरीगोल्ड, एस्टर** तथा **ट्यूबरोज़** जैसी फसलें **खुले खेतों** में उगाई जाती हैं।
- **उत्पादन क्षेत्र:**
  - तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, असम और महाराष्ट्र पुष्पकृषि के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरे हैं।
- **भारत: तथ्य और आँकड़ें:**
  - **आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25** के अनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान लगभग 2,97,000 हेक्टेयर क्षेत्रफल में पुष्पकृषि की गई, जिससे अनुमानित 22,84,000 टन खुले फूल तथा 9,47,000 टन कटे हुए फूलों का उत्पादन हुआ।
  - इसी अवधि में भारत ने **19,678 मीट्रिक टन** पुष्पकृषि उत्पादों का निर्यात कर **717.83 करोड़ रुपए** की आय अर्जित की।
- **प्रमुख निर्यात गंतव्य (2023-24):**
  - संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, कनाडा और मलेशिया प्रमुख निर्यात बाज़ार रहे।

आदि कर्मयोगी की दूसरी क्षेत्रीय प्रक्रिया प्रयोगशाला (RPL) का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

जनजातीय कार्य मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के भोपाल में आदि कर्मयोगी- राष्ट्रीय उत्तरदायी शासन मिशन की **दूसरी क्षेत्रीय प्रक्रिया प्रयोगशाला (RPL)** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **क्षेत्रीय प्रक्रिया प्रयोगशाला (RPL) के बारे में:**
  - **RPL**, आदि **कर्मयोगी** पहल की निरंतरता का प्रतीक है, जो जनजातीय कल्याण में क्षमता निर्माण और अभिसरण के लिये एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य करता है।
  - मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के **राज्य मास्टर प्रशिक्षकों (SMT)** को भोपाल स्थित RPL में प्रशिक्षित किया जा रहा है।
  - जुलाई तथा अगस्त 2025 के बीच सात ऐसे **RPL** आयोजित किये जाएंगे, जिससे मिशन के **लक्ष्य** एवं **पहुँच** और भी सुदृढ़ होगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **RPL संरचना: यह** एक **क्रमिक क्षमता निर्माण मॉडल** का पालन करता है:
  - सबसे पहले **राज्य मास्टर प्रशिक्षकों (SMT)** को **RPL** में प्रशिक्षित किया जाता है।
  - इसके पश्चात् SMT, राज्य प्रक्रिया प्रयोगशालाओं (SPL) का नेतृत्व करते हैं, जहाँ वे **ज़िला मास्टर** प्रशिक्षकों (DMT) को प्रशिक्षित करते हैं।
  - नागरिक समाज संगठनों (CSOs) को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाता है, जिससे सहभागी शिक्षण और स्थानीय परिप्रेक्ष्य को सुनिश्चित किया जा सके।
- **आदि कर्मयोगी:**
  - यह उत्तरदायी शासन के लिये एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसे 20 लाख **आदिवासी** ज़मीनी कार्यकर्त्ताओं और ग्राम-स्तरीय परिवर्तन नेताओं का एक कैडर तैयार करने के लिये विकसित किया गया है, जो समावेशी विकास को आगे बढ़ाएंगे और आदिवासी क्षेत्रों में अंतिम-मील सेवा वितरण को मज़बूत करेंगे।
  - यह मिशन प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) के साथ संरेखित है, जो अभिसरण, सामुदायिक भागीदारी तथा क्षमता वृद्धि पर ज़ोर देता है।
  - यह मिशन नीचे से ऊपर के दृष्टिकोण, रीयल-टाइम शिकायत निवारण और सहयोगात्मक क्रियान्वयन के माध्यम से **उत्तरदायी शासन** को बढ़ावा देता है।
  - इसमें जनजातीय कार्य, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, जलशक्ति, शिक्षा और वन मंत्रालयों सहित अनेक **प्रमुख मंत्रालयों** तथा **विभागों के बीच अभिसरण को प्रोत्साहित** किया जाता है।

मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा विकास परियोजनाओं को मंजूरी

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल ने राज्य में विद्युत बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण तथा डाटा पारदर्शिता बढ़ाने हेतु कई महत्त्वपूर्ण पहलों को मंजूरी दी है।

मुख्य बिंदु

- **जलविद्युत संयंत्रों का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण:**
  - मंत्रिमंडल ने मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के तहत **गांधी सागर संयंत्र (115 मेगावाट)** और राणा प्रताप सागर संयंत्र **(175 मेगावाट)** (राजस्थान में) के नवीनीकरण तथा आधुनिकीकरण को मंजूरी दी।
    - दोनों परियोजनाओं को **मध्य प्रदेश और राजस्थान** द्वारा 50:50 के अनुपात में वित्त पोषित किया जाएगा, जिसमें मध्य प्रदेश का हिस्सा 127.06 करोड़ रुपए होगा।
- **'डाटा सुदृढ़ीकरण योजना' का परिचय:**
  - शासन और नीति-निर्माण में सुधार के लिये, मंत्रिमंडल ने योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत एक नई 'डाटा सुदृढ़ीकरण योजना' को मंजूरी दी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **इस योजना का उद्देश्य है:**
  - **सांख्यिकीय आँकड़ों** का समय पर संग्रह और विश्लेषण
  - विभागों में **पारदर्शिता और दक्षता** में वृद्धि
  - स्वतंत्र शोधकर्त्ताओं और नीति निर्माताओं के लिये **आसान पहुँच**, जिससे वे नई योजनाएँ तथा सुधार तैयार कर सकें
  - विश्वसनीय आँकड़ों की उपलब्धता के कारण **निवेशकों का विश्वास** बढ़ाना
- **विक्रमोत्सव व्यापार मेला 2025 में मोटर वाहन कर पर छूट:**
  - मंत्रिमंडल ने उज्जैन में आयोजित होने वाले विक्रमोत्सव व्यापार मेला 2025 के लिये **परिवहन विभाग** की अधिसूचनाओं को मंजूरी दी।
  - मेले में बेचे जाने वाले गैर-परिवहन वाहनों (मोटर साइकिल, कार, निजी उपयोग के लिये ओमनी बसें) और हल्के परिवहन वाहनों के लिये **आजीवन मोटर वाहन कर पर 50% की छूट**।
  - मंत्रिमंडल ने परिवहन विभाग की 14 जनवरी 2025 की अधिसूचना के अनुसार, **ग्वालियर व्यापार मेला 2024-25** के दौरान **मोटर वाहन बिक्री** पर भी **50% कर छूट** का समर्थन किया।

पेसा अधिनियम

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश 88 जनजातीय ब्लॉकों में पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (PESA) को प्रभावी ढंग से लागू करने वाला **राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी राज्य बनकर उभरा है**, जिससे जनजातीय समुदायों को **पारंपरिक चौपालों** के माध्यम से स्थानीय स्तर पर विवादों को सुलझाने में सशक्त किया गया है।

- इस **सशक्तीकरण पहल** ने छोटे-मोटे विवादों के लिये पुलिस थानों पर निर्भरता को सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है, जो राज्य की जनजातीय समुदाय के लिये एक वरदान साबित हुआ है।

मुख्य बिंदु

- **सांसदों के प्रयासों को राष्ट्रीय मान्यता:**
  - पंचायती राज मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एक विशेष पुस्तिका में राज्य की सफलता की कहानियाँ उजागर की गई हैं, जिनमें **मध्य प्रदेश की उपलब्धियाँ** भी शामिल हैं तथा **राष्ट्रीय मानक स्थापित** करने में राज्य की भूमिका को मान्यता दी गई है।
- **अधिनियम के अंतर्गत विवाद समाधान एवं वित्तीय सशक्तिकरण:**
  - पारिवारिक एवं भूमि संबंधी मामलों सहित **8,000 से अधिक विवादों** का समाधान **चौपाल** नामक सामुदायिक बैठकों के माध्यम से किया गया है।
  - यह अधिनियम न्याय के लिये **सहयोगात्मक दृष्टिकोण** को प्रोत्साहित करता है और **जनजातीय परंपराओं** को बनाए रखते हुए समुदाय की **समष्टिगत भलाई** सुनिश्चित करता है।
  - राज्य के प्रयासों में **वित्तीय सशक्तीकरण** भी शामिल है, जिसके अंतर्गत जनजातीय समुदायों के लिये सुचारू वित्तीय लेन-देन सुनिश्चित करने हेतु **11,000 से अधिक बैंक खाते** खोले गए हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **अधिनियम के तहत स्थापित समितियाँ:**
  - PESA अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी के लिये कई **समितियाँ** कार्यरत हैं, जैसे:
    - शांति और विवाद निवारण समिति
    - वन संसाधन योजना और नियंत्रण समिति
    - सहयोग मातृ समिति (माता सहयोग समिति)
  - ये समितियाँ राज्य में अधिनियम और इसके लक्ष्यों के **सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने में** महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पेसा अधिनियम, 1996

- पेसा अधिनियम को **24 दिसंबर, 1996** को उन **जनजातीय क्षेत्रों**, जिन्हें **अनुसूचित क्षेत्र** कहा जाता है, में रहने वाले लोगों के लिये **पारंपरिक ग्रामसभाओं** के माध्यम से स्वशासन सुनिश्चित करने हेतु अधिनियमित किया गया था।
- इस अधिनियम ने **पाँचवीं अनुसूची** वाले राज्यों के **जनजातीय क्षेत्रों** में **स्व-जनजातीय शासन** प्रदान करते हुए पंचायतों के प्रावधानों का विस्तार किया।
- **विधान:**
  - अधिनियम में **अनुसूचित क्षेत्रों** को **अनुच्छेद 244(1)** में उल्लिखित रूप में परिभाषित किया गया है, जिसमें कहा गया है कि **पाँचवीं अनुसूची** असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम को छोड़कर अन्य राज्यों में **अनुसूचित क्षेत्रों** तथा अनुसूचित जनजातियों पर लागू होती है।
  - भारत के **अनुसूचित क्षेत्र**, वे क्षेत्र हैं जिन्हें **राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचित** किया गया है, जहाँ मुख्यत: **जनजातीय समुदाय** निवास करते हैं।
  - **10 राज्यों** ने पाँचवीं अनुसूची के अंतर्गत क्षेत्रों को अधिसूचित किया है, जो इन राज्यों के कई **ज़िलों** को (आंशिक या पूर्ण रूप से) कवर करते हैं।
  - **इनमें शामिल हैं:**
    - आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना।
- **महत्त्वपूर्ण प्रावधान:**

प्रावधान	विवरण
ग्रामसभा	**सामुदायिक भागीदारी** के मंच के रूप में कार्य करना तथा विकास योजनाओं की देखरेख करना।
ग्राम स्तरीय संस्थाएँ	स्थानीय सेवाओं के लिये ग्राम पंचायत, ग्रामसभा और पंचायत समिति की स्थापना करना।
शक्तियाँ और कार्य	संसाधनों का प्रबंधन करने और आर्थिक गतिविधियों को विनियमित करने के लिये महत्त्वपूर्ण शक्तियाँ प्रदान करना।
परामर्श	अनुसूचित क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं से पहले ग्रामसभा से परामर्श करना अनिवार्य है।
फंड	ग्राम पंचायत को **धनराशि हस्तांतरण** सुनिश्चित करना, ताकि प्रभावी कार्यप्रणाली बनी रहे।
भूमि अधिकार	**जनजातीय भूमि अधिकारों** की रक्षा; भूमि अधिग्रहण/हस्तांतरण के लिये **सहमति आवश्यक**।
सांस्कृतिक और सामाजिक प्रथाएँ	जनजातीय **रीति-रिवाजों** की रक्षा करता है और **सांस्कृतिक प्रथाओं** में हस्तक्षेप को रोकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारत में प्रमुख जनजातियाँ

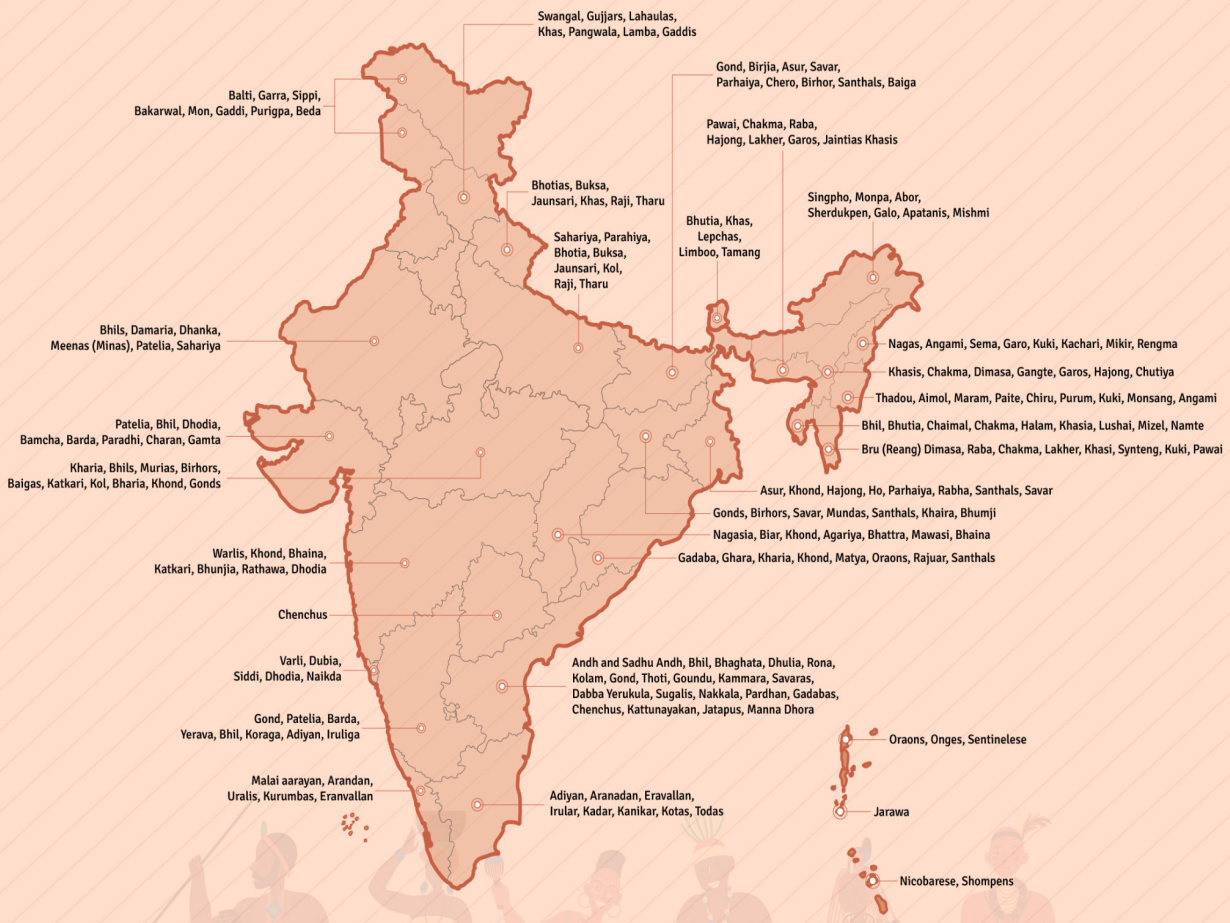

- अनुसूचित जनजाति **भारत की जनसंख्या का 8.6%** है (जनगणना 2011)। **मसौदा राष्ट्रीय जनजातीय नीति, 2006 में भारत की 698 अनुसूचित जनजातियाँ** दर्ज हैं।
- **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह** (PVTGs) ऐसी जनजातियों का समूह है जो जनजातीय समूहों के बीच अधिक असुरक्षित/सुभेद्य हैं। **75 सूचीबद्ध** PVTGs **में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा में** पाई जाती है।
- **गोंड के बाद भील सबसे बड़ा आदिवासी समूह** (भारत की **कुल अनुसूचित जनजातीय आबादी का 38%** है।
- भारत की **सबसे अधिक जनजातीय आबादी मध्य प्रदेश में** पाई जाती है (जनगणना 2011)।
- **संथाल भारत की सबसे पुरानी जनजाति** है। संथालों की शासन प्रणाली, जिसे **मांझी-परगना** के नाम से जाना जाता है, की तुलना स्थानीय स्वशासन से की जा सकती है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सूची (परिशोधन आदेश), 1956 के अनुसार, **लक्षद्वीप** के ऐसे निवासी जो स्वयं और जिनके माता-पिता दोनों इन द्वीपों में पैदा हुए थे, उन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में माना जाता है।
- संविधान का **अनुच्छेद 342** अनुसूचित जनजातियों के विनिर्देशन के लिये अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का निर्धारण करता है।
- **अनुच्छेद 275** अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को **विशेष धन देने का प्रावधान** करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

चंद्रशेखर आज़ाद जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने चंद्रशेखर आज़ाद को उनकी जयंती (23 जुलाई, 2025) पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- वे भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक **प्रमुख नेता** और **क्रांतिकारी** थे, जिन्होंने देश की **आज़ादी** के लिये बहादुरीपूर्वक लड़ाई लड़ी।

मुख्य बिंदु

चंद्रशेखर आज़ाद के बारे में:

- **जन्म:**
  - चंद्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को **भाबरा (अब मध्य प्रदेश में)** में हुआ था।

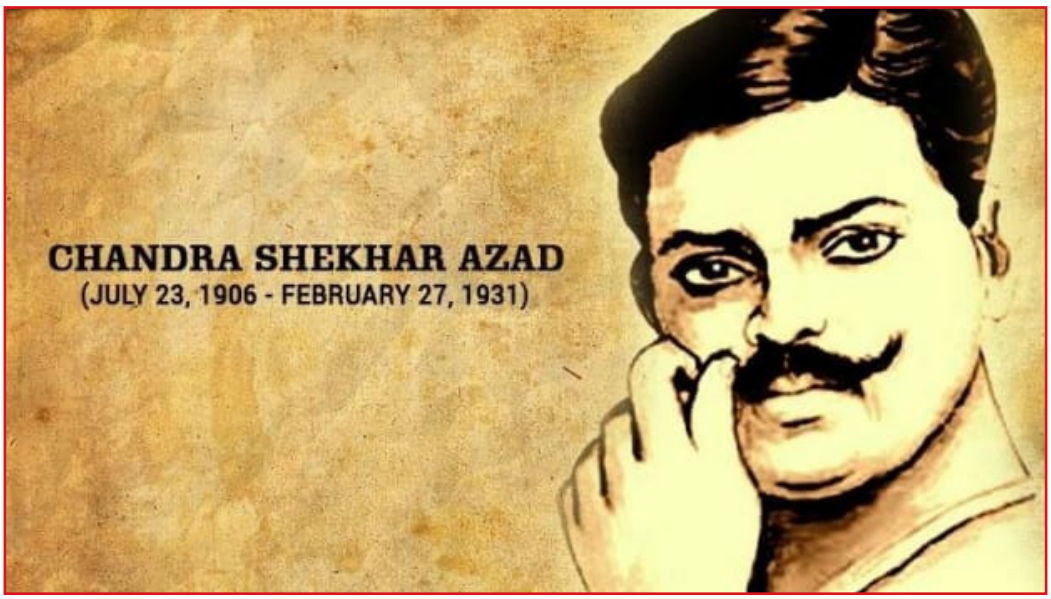

- **स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
  - वे जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919) से अत्यंत प्रभावित हुए और छोटी उम्र में ही स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए।
  - एक छात्र के रूप में वे असहयोग आंदोलन (1921) में शामिल हुए और वर्ष 1922 में गांधीजी द्वारा **असहयोग आंदोलन** को निलंबित करने के बाद हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के प्रमुख सदस्य बन गए।
    - HRA एक क्रांतिकारी संगठन था, जिसकी **स्थापना वर्ष 1924 में कानपुर में सचींद्र नाथ सान्याल,** राम प्रसाद बिस्मिल **और जोगेश चंद्र चटर्जी द्वारा** औपनिवेशिक शासन को उखाड़ फेंकने हेतु की गई थी।
    - इसके प्रमुख सदस्य थे- भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, सुखदेव, रोशन सिंह और **राजेंद्र लाहिड़ी**।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- HRA को बाद में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (HSRA) के रूप में पुनर्गठित किया गया।
  - इसकी स्थापना वर्ष 1928 में नई दिल्ली के **फिरोज़शाह कोटला** में चंद्रशेखर आज़ाद, **अशफाकुल्ला खान, भगत सिंह, सुखदेव थापर और जोगेश चंद्र चटर्जी** द्वारा की गई थी।

- **क्रांतिकारी गतिविधियाँ:**
  - काकोरी ट्रेन एक्शन (1925)।
  - लाला लाजपत राय की मृत्यु का बदला लेने हेतु **जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या** (1928)
  - **वर्ष 1929** में वायसराय लॉर्ड इरविन की ट्रेन को उड़ाने का प्रयास।
- **विरासत:**
  - अल्फ्रेड पार्क, इलाहाबाद (अब **प्रयागराज**) में **27 फरवरी, 1931** को **पुलिस द्वारा गिरफ्तार होने से बचने के लिये उन्होंने स्वयं को गोली मारकर बलिदान** दे दिया।

FISU में राष्ट्रीय पोल वॉल्ट रिकॉर्ड

चर्चा में क्यों ?

मध्य प्रदेश के **देव कुमार मीणा** (देवास ज़िले के सिलफोदखेड़ा गाँव से) ने एक बार फिर पुरुषों की **पोल वॉल्ट** में **राष्ट्रीय रिकार्ड** बनाया है। उन्होंने **जर्मनी के राइन-रुहर** में आयोजित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय खेल महासंघ (FISU) **विश्व विश्वविद्यालय खेल 2025** के क्वालीफायर में **5.40 मीटर** की ऊँचाई पार करते हुए नया **राष्ट्रीय रिकार्ड** स्थापित किया।

- देव कुमार मीणा ने **एक ही वर्ष में तीन बार राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ा** है और इसी के साथ वह विश्व विश्वविद्यालय खेलों की पोल वॉल्ट स्पर्द्धा के **फाइनल में पहुँचने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट** बन गए हैं।

मुख्य बिंदु

देव मीणा के रिकॉर्ड के बारे में:

- **नया रिकॉर्ड स्थापित:**
  - **क्वालीफायर** में **5.40 मीटर**, कोच्चि में **फेडरेशन कप** में स्थापित **5.35 मीटर** के अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा।
- **पिछली प्रगति:**
  - 5.32 मीटर – राष्ट्रीय खेल 2025
  - 5.35 मीटर – फेडरेशन कप 2025
  - 5.40 मीटर – FISU विश्व विश्वविद्यालय खेल
- **पूर्व रिकॉर्ड:**
  - **सुब्रमणि शिवा** का **5.31 मीटर** (2022), जिसे **2025 में देव मीणा** ने पार किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रतियोगिता विवरण:**
  - देव मीणा ने **5.05 मीटर** और **5.25 मीटर** की ऊँचाई पहले ही प्रयास में पार की तथा **5.40 मीटर** की ऊँचाई **दूसरे प्रयास में पार कर राष्ट्रीय रिकार्ड** तोड़ा।

FISU विश्व विश्वविद्यालय खेल 2025 में भारत का प्रदर्शन

- **अब तक कुल पदक: 5**
- **तीरंदाजी:** 1 स्वर्ण, 1 रजत, 1 कांस्य
- **टेनिस: वैष्णवी अदकर** – कांस्य (महिला एकल)
- **बैडमिंटन: मिश्रित टीम** – कांस्य (**20 जुलाई**)

पोल वॉल्ट क्या है?

- **पोल वॉल्ट** एक **ट्रैक और फील्ड स्पर्द्धा** है जिसमें एक एथलीट **4.5 मीटर लंबी क्षैतिज पट्टी** पर कूदता है। धावक **रन-वे** पर तेज़ी से दौड़ता है और एक लंबे, लचीले **पोल** को एक **'स्टॉप बोर्ड'** पर टिकाता है, जो एक धातु के बॉक्स के पीछे स्थित होता है।
- इसके बाद एथलीट स्वयं को हवा में उछालता है तथा **बार को ज़मीन पर गिराए बिना** अधिकतम ऊँचाई तक पहुँचने का प्रयास करता है।

FISU विश्व विश्वविद्यालय खेल

- **FISU** का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय खेल महासंघ (FISU) द्वारा किया जाता है। **विश्व विश्वविद्यालय खेल** (जिसे **यूनिवर्सियाड** भी कहा जाता है) **17–25 वर्ष** की आयु के **छात्र-एथलीटों** के लिये एक प्रमुख **अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल आयोजन** है, जो हर दो वर्ष में एक अलग **मेज़बान शहर** में आयोजित होता है।
- **"मन और शरीर में उत्कृष्टता"** के आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर ये खेल **सांस्कृतिक और शैक्षिक समृद्धि** के साथ श्रेष्ठ **एथलेटिक प्रतिस्पर्द्धा** को जोड़ते हैं तथा वैश्विक विश्वविद्यालय छात्रों के बीच **समग्र विकास** को बढ़ावा देते हैं।
- **वर्ष 2025** में **ग्रीष्मकालीन संस्करण** का आयोजन **जर्मनी** के **राइन-रूहर क्षेत्र** में **16 से 27 जुलाई** तक किया गया, जिसमें **113 से अधिक देश** और **हज़ारों खिलाड़ी** शामिल हुए।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME